भारत सरकार

कारपोरेट कार्य मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या - 2436

(जिसका उत्तर मंगलवार, 11 अगस्त, 2015 को दिया गया)

<u>देश में विदेशी फर्मों की अवस्थिति</u>

2436. श्री सी.एम. रमेश:

क्या **कारपोरेट कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कार्यरत विदेशी फर्मों की संख्या कितनी है;

(ख) क्या सरकार ने कभी इस बात पर गौर किया है कि भारत में स्थित सभी विदेशी फर्मों में से 91 प्रतिशत फर्में केवल पांच राज्यों में ही अवस्थित हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि विदेशी फर्मों की अवस्थिति के मामले में अविभाजित आंध्र प्रदेश की स्थिति खराब है;

(घ) क्या यह भी सच है कि विभाजन के पश्चात शेष बचा आंध्र प्रदेश राज्य विदेशी फर्मों की अवस्थिति के संदर्भ में लगभग सबसे निचले पायदान पर है; और

(ड.) यदि हां, तो मंत्रालय विदेशी फर्मों को आकर्षित करने में आंध्र प्रदेश की किस प्रकार सहायता करेगा क्योंकि इसके पास भौगोलिक, जनशक्ति और अन्य लाभकारी स्थितियां हैं?

उत्तर

कारपोरेट कार्य मंत्री **(श्री अरूण जेटली)**

(क) से (घ): दिनांक 06 अगस्त, 2015 की स्थिति के अनुसार देश में 3309 विदेशी कंपनियां कार्यरत थीं। इन सभी विदेशी कंपनियों के लगभग 91% के पंजीकृत पते दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक, हरियाणा और तमिलनाडु राज्यों में है। अविभाजित आन्ध्र प्रदेश में 73 विदेशी कंपनियां सक्रीय थीं। इनमें से 9 विदेशी कंपनियों के पंजीकृत पते आन्ध्र प्रदेश राज्य में हैं।

(ड.): कारपोरेट कार्य मंत्रालय की कंपनियों के स्थान चयन संबंधी निर्णयों में कोई भूमिका नहीं रहती है।

*****